तमिलनाडु केंद्रीय विश्व विद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF TAMIL NADU

हिन्दी विभाग/ DEPARTMENT OF HINDI

पीएच.डी. हिन्दी पाठ्यक्रम / Ph.D. Hindi – Syllabus

SI.NO	**Course Code**	**Course Details**	**Marks**	**Credit**
		Semester I		
1.	HIN 601	**अनुसंधान की विविध दृष्टियाँ और उपागम** Research Methodology	**40/60**	**4**
2.	HIN 602	**आलोचना की विविध दृष्टियाँ और उपागम** Various View and Approaches to Criticism	**40/60**	**4**
3.*	HIN 603	**मध्यकालीन साहित्य और चिंतन** Medieval Literature and Philosophy	**40/60**	**4**
4.*	HIN 604	**आधुनिक साहित्य और चिन्तन** Modern Literature and Philosophy	**40/60**	**4**
5.	HIN 605	**वृहद क्षेत्र शोध** Broad Area of Research	**40/60**	**4**
***The scholar has to choose any one of the courses HIN 603 and HIN 604**			**400**	**16**

प्रथम सत्र

पत्र – एक

शोध प्रविधि और सिद्धांत

HIN 601

1. **शोध** : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप ओर प्रयोजन
2. शोध, अनुसंधान, गवेषण, सर्वेक्षण
3. अनुसंधान में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और कल्पना
4. अनुसंधान के तथ्य और सत्य
5. साहित्यिक अनुसंधान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान में साम्य और वैषम्य
6. अनुसंधान और आलोचना : साम्य और वैषम्य
7. **अनुसंधान की प्रक्रिया**
   क. विषय-चयन
   ख. शोध प्रबंध की रुप रेखा
   ग. सामग्री संकलन, परीक्षण तथा वर्गीकरण, विश्लेषण-विवेचन एवं निष्कर्ष (प्रस्तुतीकरण)
8. अनुसंधान एवं निर्देशक की पात्रता उत्तरदायित्व
9. **अनुसंधान के प्रकार**
   क. तुलनात्मक अनुसंधान
   ख. भाषावैज्ञानिक अनुसंधान
   ग. लोकतात्विक अनुसंधान
   घ. पाठालोचन

ग्रंथ - सूची

पत्र – दो

आलोचना प्रविधि – साहित्य अध्ययन की विविध आलोचनात्मक दृष्टियाँ

HIN 602

1. **आलोचना –** परिभाषा, स्वरुप और क्षेत्र
2. साहित्य और आलोचना
3. आलोचना की बाह्य एवं आंतरिक दृष्टियाँ
4. **आलोचना की प्रमुख दृष्टियाँ :**

क. रसवादी – साधारणीकरण की दृष्टि से
रस निष्पत्ति की दृष्टि से
रस- दोष की दृष्टि से
सूर का पद – **'मधुबन तुम कत रहत हरे'** की रसवादी आलोचना

ख. ऐतिहासिक आलोचना दृष्टि :
इतिहास और रचना का संबंध
रचना काल और रचना में व्यक्त काल
(तेन के संदर्भ में) परिवेश
'कफन' – की ऐतिहासिक आलोचना

ग. समाजशात्रीय आलोचना दृष्टि :
समाज और साहित्य का अन्तःसंबंध
समाज, वर्ग भेद और साहित्य
साहित्य का समाजशास्त्र
'अकाल और उसके बाद' – कविता की समाजशास्त्रीय आलोचना

घ. मार्क्सवादी आलोचना दृष्टि :
द्वंद्वात्मक भौतिकवाद
वर्गभेद
वर्ग-संघर्ष
'गोदान' की मार्क्सवादी आलोचना

ङ. मनोविश्लेषणवादी आलोचना दृष्टि :
पाठक का मनोविज्ञान
लेखक का मनोविज्ञान
पात्रों का मनोविज्ञान
'पाजेब' कहानी की मनोवैज्ञानिक आलोचना

छ . **रुपवादी आलोचना दृष्टि :**
रुप और नस्तु – प्रमुख विचार
रुप और वस्तु का अन्तःसंबंध
रुपवादी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास
रुपवादी आलोचना का पाठगत स्वरुप
'अनागत' कविता की रुपनादी आलोचना

ज. **मिथकीय आलोचना दृष्टि :**

मिथक का इतिहास
मानव सभ्यता और मिथक की रचना
मिथक और साहित्य
मिथकीय आलोचना की प्रक्रिया
'अंधायुग' काव्यनाटक की मिथकीय आलोचना

झ. सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना - दृष्टि :

सौंदर्य और उदात्त का संबंध
सौंदर्य और साधक तत्व : शैली और अप्रस्तुत
सौंदर्यबोध और भाषा
पंत की कवीता **'उच्छवास'** की सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना

ट. **शैलीवैज्ञानिक आलोचना दृष्टि :**

सामान्य भाषा और साहित्यिक भाषा
शैली विज्ञान की आलोचना दृष्टि
शैलीविज्ञान का इतिहास
'तोड़ती पत्थर' कविता की शैलीवैज्ञानिक आलोचना

संदर्भ ग्रंथ :

Various approaches of literature – David Daiches
Five approaches to literature – UIber Scott
Introduction to Research – T. Hallway
The strategy of Research- Slogeorage P. Thompson
The Art of Scientific Research – W.I.B. Beralidge
How to find them a guide to Research – W.A. Bagle
Nature of Scientific Revolution – Thomas Kuhn
The Scholar Critic – F.W. Batesaw
मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना - पांडेय शशिभूषण, "शीतांशु" राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ - सं. उदयभान सिंह, हरभजन सिंह, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
अनुसंधान का स्वरुप - सं. डॉ. श्रीमती सावित्री सिन्हा
अनुसंधान की प्रक्रिया - सं डॉ. श्रीमती सावित्री सिन्हा तथा श्रीवास्तव
अनुसंधान के मूल त्तव - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
शोध प्रविधि - डॉ विनयमोहन शर्मा
शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका - डॉ सरनाम सिंह शर्मा
अनुसंधान का विवेचन - डॉ उदयभानु सिंह
अनुसंधान शोध के सिद्धांत और समस्याएँ – डॉ देवराज उपाध्याय एवं डॉ. रामगेपाल शर्मा
शोध प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ चंद्रभान रावत डॉ रामकार खंडेलवाल
अनुसंधान - डॉ सत्येन्द्र
शोध त्तव और दृष्टि - सं. डॉ रामेश्वरलाल खंडेलवाल
संभावना(शोध विशेषांक) - हिन्दी विभाण, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा प्रकाशित
हिन्दी अनुसंधान का स्वरुप - सं. म.ह. राजूरकर, राजमल बोरा
अनुसंधान का व्यवहारिक स्वरुप - डॉ. उर्वशी सूरती
हिन्दी शोध – तंत्र की रुपरेखा - मनमोहन सहगल
तुलनात्मक अनुसंधान की समस्याएँ - डॉ गुलाम रसूल
अनुसंधान के विविध आयाम - डॉ रवीन्द्र कुमार जैन
शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया - डॉ शाशिभूषण सिंहल

द्वितीय सत्र

1. लघु शोध प्रबंध
2. मौखिकी

विकल्प-(क) मध्यकालीन साहित्य और चिंतन
HIN 603

1. **मध्ययुग में भारत की आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक संरचनाएँ**
   - (i) मध्यकाल का सामाजिक-आधार
   - (ii) भक्ति आंदोलन के प्रेरणास्रोत और विकास की दिशाएँ
2. **मध्यकालीन दार्शनिक विचारधाराएँ**
   - (i) बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, लोकायत
   - (ii) नाथों-सिद्धों की विचारधाराएँ
   - (iii) अद्वैतवाद के प्रति विद्रोह
   - (iv) द्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद, शुद्ध द्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद
3. **भक्तिकाल : सूफी दर्शन संबंधी विमर्श**
   - (i) भक्ति की ज्ञान मीमांसा
   - (ii) भक्ती काव्य में परंपराओं के प्रति चिंतन के नए रुप (लोक और शास्त्र की टकराहट)
   - (iii) भक्ति-साहित्य : दलित स्वर की अभिव्यक्ति
   - (iv) भक्ति काव्य, भक्तिशास्त्र
4. **रीतिकाल संबंधी विमर्श**
   - (i) रीति शब्द की अवधारणा और व्याख्या
   - (ii) रीतिकाल की ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्टभूमि और दरबारी काव्य परंपरा
   - (iii) रीतीबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य चिन्तन का आधार
5. **रीतिकालीन काव्य का समाजशास्त्र**
   - (i) सामंतीय संस्कृति एवं जीवन-दृष्टि
   - (ii) नायक-नयिका भेद की परंपरा
   - (iii) रीतिकाल के कवि और आचार्य
   - (iv) रीतिकालीन काव्यशास्त्र : परंपरा और विमर्श
   - (v) रीतिकालीन श्रृंगार भावना
   - (vi) रीतिकाव्य पर पुनर्विचार

कल्प-(ख) आधुनिक साहित्य और चिन्तन
HIN 604

1. आधुनिककाल की पृष्टभूमि
   (i) आधुनिकता की आवधारण : आधुनिक, आधुनिक बोध और आधुनिकीकरण
2. नवजागरण और विकास की अवधारणाएँ
   (i) फ्रांसीसी राज्यक्रांति और नवजागरण
   (ii) ज्ञानोदय आधुनिकता, पुनरुत्थान/ पुनर्जागरण/नवजागरण, अभिजात्यवाद,
   (iii) एशिमा में नवजागरण
   (iv) आधुनिक भारतीय नवजागरण
   (v) नवजागरण और 1857 की क्रांति
   (vi) स्वाधीनता संग्राम में चेतना और मुक्ति से जुड़े प्रश्न
3. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद
   (i) भारत का उपनिवेशीकरण
   (ii) उपनिवेशवाद-विरोध संघर्ष
   (iii) राष्ट्रीय चेतना का निर्माण और पश्चिमी साम्राज्यवाद
   (iv) लोकजागरण और जन - आंदोलन
4. अन्य आधुनिक अवधारणाएँ
   (i) राष्ट्रवाद : राष्ट्र-राज्य-संदर्भ
   (ii) लोकतंत्र और फासीवाद
   (iii) राष्ट्रीयता और देशभक्ति
   (iv) उपनिवेशों में राष्ट्रीयता और देशी संदर्भ
   (v) साम्यवाद और समाजवाद
   (vi) प्राच्यवाद
   (vii) उत्तर-उपनिवेशवीद, उसके विविध रुप और संदर्भ
   (viii) नव सांस्कृतिक साम्राज्यवाद और उत्तर-औद्योगिक समाज
   (ix) भूमंडलीकरण और तीसरी दुनिया के देश
   (x) विविध आधुनिकताओं की अवधारणा
   (xi) यौन वृत्ति संबंधी विमर्श